



HILLRIDGE INVESTMENTS LIMITED

Regd. Office : 203, Aman Chamber, Pusa Road, Rajendra Place Metro Station, New Delhi-110060
Email : hillridgeinvest@gmail.com, Website : hillridgeinvestments.in, CIN : L65993DL1980PLC010757
Tel. : +91-11-28756903, Mob. : +91-9650836542

Date: - 09.08.2017

To,
The Head-Listing & Compliances
Metropolitan Stock Exchange of India Limited
Vibgyor Towers, 4th floor, Plot No C 62, G - Block,
Opp. Trident Hotel, Bandra Kurla Complex, Bandra (E),
Mumbai - 400098

Sub: - Filing of clipping of the Unaudited Financial Results published in the newspaper for the quarter ended on 30.06.2017 as per SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. (Symbol-HILLRIDGE)

Dear Sir,

In terms of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, please find attached herewith copies of News Papers- Naya India (Hindi News Paper) and Millenium Today (English News Paper) dated 09.08.2017 in which Unaudited Financial Results of the company has been published for the quarter ended on 30.06.2017, as approved by the Board of Directors of the company in their meeting held on 8th August, 2017.

You are requested to take on your records and acknowledge the same.

For Hillridge Investments Limited



Mehak Arora
(Managing Director)

DIN: 06798853

Address: HN-137 GN-1 2nd Floor,
Gopal Park Ram Nagar Ext, Delhi-110051

Encl: a/a

ढाया इंडिया दिशा

पेज 5

सार समाचार

विवादित भूमि पर राम मंदिर बने: शिया बोर्ड

नई दिल्ली। रामजन्म भूमि बाबरी मस्जिद विवाद में एक नया मोड़ आया है। शिया वक्फ बोर्ड ने उच्चतम न्यायालय में शपथ पत्र दाखिल करके कहा है कि विवादित जमीन पर राम मंदिर का निर्माण होना चाहिए जबकि मस्जिद उससे कुछ दूर मुस्लिम इलाक़ों में बनाई जानी चाहिए। इस विवादित मामले में शिया वक्फ बोर्ड ने दाखिल शपथ पत्र में यह भी दावा किया है कि बाबरी मस्जिद शिया वक्फ की थी। इसे देखते हुए इस मामले में दूसरे पक्षकारों के साथ वार्ता लाभ और सोहार्दपूर्ण समाधान तक पहुंचने का अधिकार केवल उसी के पास है। बोर्ड का कहना है कि यदि मंदिर-मस्जिद मामले का समाधान हो जाए और निर्माण हो गया तो

क्रॉसप्रेस!

गांधीनगर ■ वात लिए अपना मतदान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृहजूरत भी नहीं पड़ी। में जबरदस्त राजनीतिक गज सुबह शुरू हुए बीच सत्तारूढ़ भाजपा और सचेतक पंकज देसाई दल कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठा। हालांकि इस दौरान बन गई राज्यसभा की तीन शुरुआत में ही कांग्रेस मतदान के दौरान आशंक कथित तौर पर क्रॉस खुलेआम क्रॉस वोटिंग हुई। कांग्रेस को सबसे प्रत्याशी और पार्टी अध्यक्ष थरुखे 44 में से एक के राजनीतिक सचिव अहमद ने दी है। कांग्रेस बड़ा झटका देते हुए कड़ी सुधायकों ने पार्टी क्लिप के रिसार्ट और गुजरात में भाजपा उम्मीदवारों के गए 44 में से एक पार्टी विह। इनमें पांच बागी कथित तौर पर भाजपा के गए हैं। उधर एक एक कर दिया जबकि एक एक इस चुनाव में लगातार वाले इस चुनाव में जीत के तहत अब राकांपा आंकड़ों का समीकरण बढ़ाकर तथ इसके प्रदेश कथित तौर पर भाजपा ने न ने दावा किया है

शंकर सिंह वाघेला ने नहीं दिया पटेल को वोट!

नई दिल्ली। कांग्रेस के महासचिव और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की गुजरात में पार्टी के बगावती नेता शंकर सिंह वाघेला से राजपूत भाई की अपील कर राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार अहमद पटेल को वोट देने की अपील काम नहीं आई। वाघेला ने मतदान करने के बाद कहा कि उन्होंने पटेल को वोट नहीं दिया है।

सिंह ने राज्यसभा की गुजरात से तीन सीटों के लिए होने वाले मतदान से ठीक पहले आज सुबह तीन ट्वीट किए। उन्होंने वाघेला से पार्टी और भाईचारे की लाइन से आगे जाकर भी जाति की लाइन पर अपना वोट पटेल को देने की अपील की थी। सिंह ने ट्वीट में कहा कि मेरी आप से एक व्यक्ति और भाई के तौर पर अपील है। उन्होंने इस ट्वीट में वाघेला से खजुराहो की कोई घटना भी याद दिलाने की बात कही है। सिंह स्वयं राजपूत है और उन्होंने पटेल के पक्ष में मतदान करने के लिए वाघेला को उनकी जाति (राजपूत) का भी स्मरण कराया।

दूसरे ट्वीट में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने लिखा कि यह मत भूलिए कि कांग्रेस ने आपके लिए क्या किया है, आप राजपूत हैं, कृपया अहमद भाई की जीत सुनिश्चित करें, वह हमारे मित्र

बहरहाल, केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी नदी जोड़ी योजना के तहत केन और बेतवा नदी को जोड़ने की मंजूरी मिलने के बीच अब भी यह सवाल उठ रहा है कि केन में अक्सर आने वाली बाढ़ से बर्बाद होने वाला पानी क्या बेतवा में पहुंचकर हजारों एकड़ खेतों में फसलों को लहलहाएगा और तब पन्ना बाघ अभयारण्य का क्या होगा? उमा भारती का कहना है कि यह परियोजना बुंदेलखंड के लोगों के लिए खुशहाली की सोगात लाएगी। इससे पेयजल उपलब्धता के साथ सिंचाई सुविधा को बेहतर बनाया जा सकेगा। इसके कारण लोगों का पलायन भी रुकेगा। साउथ एशिया नेटवर्क आन डेम्स' से जुड़े विशेषज्ञ हिमांशु ठक्कर ने कहा कि एक महत्वपूर्ण सवाल यह है कि 9,000 करोड़ रुपए खर्च करने के बाद उन नदियों को मिलाने से क्या फायदा जो आगे चलकर खुद ही यमुना में मिल जाती है। इस क्षेत्र में पहले से ही कई बांध मौजूद हैं और अब नदियों को जोड़ने के लिए कुछ और बांध बनाए जाने का प्रस्ताव किया गया है। ऐसे में सवाल उठता है कि पुराने बांधों का क्या होगा? बांधों के जरिए नदियों को जोड़ना क्या नदी को जोड़ना है? नदी जोड़ने के अभियान के खिलाफ आंदोलन चलाने वाली संस्था 'गंगा सेवा मिशन' के स्वामी आनंद स्वरूप ने कहा कि इस क्षेत्र में पहले से ही 22 बांध हैं और अब छह-नए बांध बनाने का प्रस्ताव किया गया है। एक अन्य सवाल यह है कि

मसा पर स्वदेशी गोपशु प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने बता से भविष्य में उत्तर भारत उत्पादन पर अधिक प्रभाव

दिव्यांगता पह लिए केंद्रीकृत

नई दिल्ली। सरकार ने क लिए विशिष्ट पहचान पत्र के लिए एक केंद्रीकृत ई-प्रस्ताव है ताकि दिव्यांग लो सके और ऐसे हर व्यक्ति को सुनिश्चित हो सके। सामाजिक राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने प्रश्न के लिखित उत्तर में क राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार करने यूडीआईडी कार्ड जारी होना एक ऐप्लीकेशन सॉफ्टवेयर है। सदन में सवाल किया ग लिए पहचान कार्ड को ले प्लेटफॉर्म शुरू करने का प्र में मंत्री ने कहा, हां, महोद यूडीआईडी परियोजना के प मध्य प्रदेश और गुजरात स शासिक प्रदेशों को शामिल कि

HILLRIDGE INVESTMENTS LIMITED

Regd. Off : 203, Aman Chamber, Pusa Road, Rajendra Place Metro Station, New Delhi-110060
CIN: L65993DL1980PLC010757, Email Id: hillridgeinvest@gmail.com
Website: www.hillridgeinvestments.in, Ph: 011-25755261

Extract of Unaudited Financial Results for Quarter Ended on 30th June, 2017
[In terms of Regulation 47(1) (b) of the SEBI (LODR) Regulations, 2015]

Sr. No.	Particulars	Quarter Ended				Year Ended	
		Current 3 Months Quarter ended (01.04.2017 to 30.06.2017) (₹)	Previous 3 Months Quarter ended (01.01.2017 to 31.03.2017) (₹)	Corresponding 3 months Quarter ended in the previous year (01.04.2016 to 30.06.2016) (₹)	Previous accounting year ended (01.04.2016 to 31.03.2017) (₹)		
		(Unaudited)	(Audited)	(Unaudited)	(Audited)		
1	Total Income from Operations	1,050,000.00	1,265,568.00	1,432,500.00	5,563,068.00		
2	Net Profit / (Loss) for the period (before tax, Exceptional and/or Extraordinary items)	353,562.83	(2,765,531.50)	638,114.68	50,202.45		
3	Net Profit / (Loss) for the period before tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	353,562.83	(2,765,531.50)	638,114.68	51,760.45		
4	Net Profit / (Loss) for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	353,562.83	(2,790,550.50)	638,114.68	26,741.45		
5	Total Comprehensive Income for the period (Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax))	353,562.83	(2,790,550.50)	638,114.68	26,741.45		
6	Paid Up Equity Share Capital, (Face Value of ₹10/- each)	85,000,000.00	85,000,000.00	85,000,000.00	85,000,000.00		
7	Reserves (excluding Revaluation Reserve) as shown in the Audited Balance Sheet of the previous year	N.A.	N.A.	N.A.	160,953,486.85		
8	Earnings Per Share (of ₹10/- each) (for continuing and discontinued operations)						
1.	Basic:	0.04	(0.33)	0.08	0.00		
2.	Diluted:	0.04	(0.33)	0.08	0.00		

Note: The above is an extract of the format of Unaudited Financial Results filed with the stock exchanges under the Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations 2015. The full formats of Unaudited Financial results are available on the stock exchange website i.e. www.mseil.in and on the Company's website www.hillridgeinvestments.in.

For Hillridge Investments Limited
Mehak Arora
(Managing Director)
DIN-06798853

Date: 08.08.2017
Place: New Delhi

Stalking cases rise but conviction remains low History and science of mass hysteria

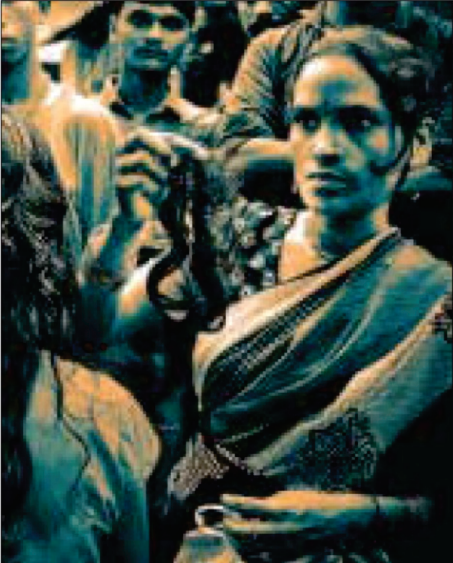
NEW DELHI: Incidents of stalking of women have been on the rise across the country in the past couple of years. From 4,699 cases in 2014, they rose to 7,132 in 2016 — as per the data available with the Union home ministry.

While there has been a rise in number of such cases being registered with the police, the conviction rate has remained abysmally low. Sample this: of the 4,699 cases registered in 2014, only 134 cases resulted in conviction of 262 people, according to the information provided by minister of state for home, Hansraj Ahir, in the Lok Sabha recently. Moreover, in 2015, police across the country registered 6,266 cases of stalking but only 340 cases saw

conviction of 473 accused. While the figure for the last year is provisional, still the conviction rate of 5% (379 convicFact file Registered stalking cases Cases with conviction 4,699 tions in 7,132 registered cases) speaks volume about the state of affair in which victims are devoid of justice. In light of Haryana BJP chief Subhash Barala's son allegedly stalking and attempting to kidnap a young woman in a drunken state recently, it could be pointed out that Chandigarh has had 38 case of stalking registered against 41 people in the last three years. However, only nine people have been convicted of the crime. The national capital Delhi, on the other hand, had 2,500 cases registered in the same period with only 139 ending

up in conviction of the stalkers. While the duration it takes for the police to file charge sheet for the offence that is bailable could lead to complainants losing the resolve to continue, instances of them pressured into withdrawing the case also abound. "Time-bound trial can help in more convictions. It (stalking) is a serious crime and we have seen stalkers in many cases turning into murderers," said lawyer Karan Singh. A person accused of stalking is booked under Section 354(D) of the Indian Penal Code. While the first conviction attracts a jail term of three years, subsequent conviction could lead to a prison term of five years.

Fear and anxiety often demand an articulation of a public performance. When it reaches the level of panic, it acquires an epidemic quality of a spectacle, rampant when it is present, forgotten and almost mysterious when it is over. Events such as these have a devastating effect on the psyche of a society. Such panics, from being invitations to storytelling, reveal the repressions of a society. All it needs is a rumour, an audience prone to gossip and anxiety. One recent example was the Ganapati Festival but it had an almost endearing quality to it. I remember colleagues of mine in Delhi who went to temples to see the phenomenon came back feeling blessed. When I smiled sceptically, one of them explained to me "It is not how many academic degrees you have. You have to believe to see it. It is like punya. If you don't have it, you can learn it." Another said, a pujari whose temple was not the site of miracles has gone to the hills to meditate, do penance because he feels he has missed out. I offered to go to the hills but another said, "Don't laugh at us, you have not been touched by God as we have. This is a faith which you won't understand. To believe is to be blessed." I felt left out as Ganapati looked indifferently at me. I consoled myself by reading about a rationalists meeting, reading an edit about scientific temper. Why do such epidemics occur so often? I was reading about the braid cutting phenomena. Women in Haryana and other parts of north India are falling unconscious and coming awake to discover their hair has been cut. Panic spreads quietly across town and women shut doors to keep out the evil force. While the Ganesh episode had a touch of the comic, the braid episode evokes the right



touch of the sinister, the lethal. Where innocence ends, and conspiracy begins is difficult to decipher. Rationality dismisses the event but rationality cannot explain it. Reading the origins of such an event, one senses a sequence. It usually is triggered, often

watching official rationality and irrationality battle but what makes it sinister is the element of violence as superstition inevitably searches for a scapegoat as a cause. A Dalit woman, a migrant worker, a minority group meets a gory death that changes the narrative. The victim as complainant has an innocuous story but rumours provide the agency of the narrative. The police then find their own scapegoats but few look at the social profile of anxiety, displacement, the appearance of a modernity that does not answer questions of meaning. Indeed, people prefer collective insanity to an individual recognition of problems.

Rumour constructs a monster, a demonology which is always amorphous. What it smashes is the usual routine of domestic life as suspicion cuts down on interaction and a fortress complex develops. There is a predictable quality of narratives. What one misses is the presence of groups, civil society activists, doctors who can tackle the event, civil society activists to initiate panchayat meetings. As hysteria mounts, violence increases. Yet a few weeks later after the 'criminal' is caught, few are able to explain what happened. Social scientists rarely follow up. The standard explanations hardly explain. Just as we have early warning groups to predict a stock market crash, we need groups that examine such explosions of irrationality as symptoms of what such societies are going through. Each event whether monkey man, braid women, or the much-saluted Ganesh becomes a fable unfolding the symptoms of trust and the contours of suspicion and anxiety. Here, the Ojha and the Shaman may be as necessary as the psychiatrist. Such crises can be a moment of collaboration between our different psychiatric systems. Constructing such epidemics as mere law and order problems adds little to understanding or healing.

Police face the heat for ‘diluting’ charges under political pressure

CHANDIGARH: After Haryana BJP president's son, Vikas Barala, arrested for stalking and drink driving, was released on bail on Saturday, politicians and social media users are accusing Chandigarh Police of buckling under pressure and going soft against the accused. Vikas and his friend were arrested on Friday night for allegedly following a woman.

The case was registered for stalking under Section 354-D (stalking) of the IPC, which is a bailable offence when a person is booked the first time. Congress leader and former Union minister Manish Tewari said that the police have "completely diluted" the case under pressure. "Police have completely

NEW DELHI: The Centre has declared entire Assam as a "disturbed" area under the controversial Armed Forces (Special Powers) Act (AFSPA) for one more month, citing various violent activities by insurgent groups ULFA, NDFB, and others. The Union home ministry also declared Meghalaya's border areas adjoining Assam, and three districts in Arunachal Pradesh as "disturbed" under the AFSPA for two more months with effect from August 3. In separate gazette notifications, the home ministry said the entire Assam has been declared "disturbed" from August 3 till August 31. The Union home ministry said the 20km belt in Meghalaya bordering

the victim's statement, in which no such case of kidnapping was made out. To claim it in a FB post is different." LAWYERS DIVIDED Sumeet Goyal, a lawyer at the Punjab and Haryana high court, said the intention of police was evident from the fact that they did not include Section 354 (sexual harassment), which is a non-bailable offence, in the FIR. However, lawyer AS Chahal, said one could not jump to the conclusion that it was a case of kidnapping simply because one knocked on the victim's car window. "If from the statement of the girl, a case of kidnapping is made out, then it should be added. From whatever I have read, I don't think it makes for one," he said.

Assam to remain ‘disturbed’ area under AFSPA for another month

NEW DELHI: The Centre has declared entire Assam as a "disturbed" area under the controversial Armed Forces (Special Powers) Act (AFSPA) for one more month, citing various violent activities by insurgent groups ULFA, NDFB, and others. The Union home ministry also declared Meghalaya's border areas adjoining Assam, and three districts in Arunachal Pradesh as "disturbed" under the AFSPA for two more months with effect from August 3. In separate gazette notifications, the home ministry said the entire Assam has been declared "disturbed" from August 3 till August 31. The Union home ministry said the 20km belt in Meghalaya bordering

Assam will also continue to be marked as "dissiri turbed area" from August 3 to September 30. It has also declared as "disturbed" three districts of Arunachal Pradesh -- Tirap, Changlang and Longding - and areas falling within the jurisdiction of 14 police stations in nine other districts of the state with effect from August 4 to September 30. The 14 police stations fall under the districts of Papumpare, West Siang, East Siang, Lower Dibang Valley, East Kameng, West Kameng, Namsai, Lohit district, Lower Subanin Arunachal Pradesh. A home ministry official said there were 75 incidents of violence in Assam in 2016 in which 33 people, including

four security personnel, were killed and 14 others were abducted. The violence was perpetrated in Assam by insurgent groups like ULFA, NDFB and others, the official said. AFSPA has been continuing in Assam since November 1990. The official said continuing violence perpetrated by NSCN(IM), NSCN(K), ULFA, NDFB, and others were key reasons for continuing with AFSPA in Arunachal Pradesh. The controversial AFSPA has been in force in the three Arunachal Pradesh districts of Tirap, Changlang and Longding since January, 2016. Meghalaya too has been witnessing violence by ULFA, NDFB militants in the recent past.

Sanctionhit North Korea vows revenge against US

MANILA: A Southeast Asian diplomatic meeting quietly turned into the first real multiparty bargaining session in eight years to tackle North Korea's nuclear programme, as the country's top diplomat held a rare round of talks with his counterparts from China, South Korea and Russia. The US and Japan were the only members of the so-called sixparty talks on the North's nuclear ambitions, which ended in failure in 2009, whose diplomats did not meet this week with foreign minister Ri Yong-ho of North Korea. But Rex Tillerson, the US secretary of state, kept the door open for



MANILA: A Southeast Asian diplomatic meeting quietly turned into the first real multiparty bargaining session in eight years to tackle North Korea's nuclear programme, as the country's top diplomat held a rare round of talks with his counterparts from China, South Korea and Russia. The US and Japan were the only members of the so-called sixparty talks on the North's nuclear ambitions, which ended in failure in 2009, whose diplomats did not meet this week with foreign minister Ri Yong-ho of North Korea. But Rex Tillerson, the US secretary of state, kept the door open for

talks, saying at a news conference on Monday that he had no specific preconditions for negotiating with Pyongyang. "The best signal that North

when we see it...We are not going to give someone a specific number of days or weeks. This is really about the spirit of these talks."

On Monday, the North threatened to retaliate "thousands of times over" against the US for the latest United Nations sanctions, calling them a "violent infringement" on its sovereignty that only deepened its resolve to strengthen its nuclear arsenal. It said the US and "other countries as large" had reacted with "fear" to just two North Korean tests of intercontinental ballistic missiles. That made Pyongyang "more determined that this is the only way we can survive, the only path we can take," the statement said in a statement.

Korea could give us that they are prepared to talk would be to stop these missile launches," Tillerson said. But when asked how long such a pause would have to last before talks could go forward, Tillerson said: "We'll know it

Venezuela Army hunts for ‘mercenaries’ after uprising

VALENCIA: Venezuela's military on Monday hunted a group of "mercenaries" who made off with weapons in an attack on an army base carried out against what they called the "murderous tyranny" of President Nicolas Maduro. Around 20 men led by an army officer who had deserted battled troops in the base in the third city of Valencia for three hours yesterday, officials said. The raid ended with two of the attackers being killed and eight captured, Maduro said on state television. The other 10 escaped with weapons taken from the facility, according to officials who said an "intense search" was underway for them. Maduro claimed the "terrorist" group had ties to Colombia and the United



greater violence, perhaps open armed conflict. Officials insisted afterward that all was normal across the country. Military helicopters flew overhead and tactical armored vehicles patrolled the streets in Valencia, a major

States. The incident heightened fears that Venezuela's deepening political and economic crisis could explode into

northwestern city, in a climate of tension on Sunday after the attack. Locals said a nighttime curfew was imposed. Police dispersed protesters who had set up flaming barricades across roads. The armed forces said in a statement "a group of civilian criminals wearing military uniforms and a first lieutenant who had deserted" carried out the attack. Maduro said the lieutenant, among those captured, was "actively giving information and we have testimony from seven of the civilians." Maduro congratulated the army for its "immediate reaction" in putting down the attack, saying they earned his "admiration."

TILLERSON SAYS USA, RUSSIA CAN SOLVE ISSUES, EASE TENSION

MANILA :US Secretary of State Rex Tillerson said on Monday he believes Washington and Russia can find a way to ease tensions, saying it wouldn't be useful to cut ties over the single issue of suspected Russian meddling in the US election. Tillerson said Russia had also expressed some willingness to resume talks about the crisis in Ukraine, where a 2015 ceasefire between Kiev's forces and Russian-backed separatists in the eastern part of the country is regularly violated. "We should find places we can work together... In places we have differences we're going to have to continue to find ways to address those," Tillerson told reporters. Tillerson met his Russian counterpart, Sergei Lavrov, on the sidelines of an international gathering in Manila, where he also asked about Moscow's retaliation against new US sanctions.

The first step towards a DNA Profiling Bill was taken in 2007 with the 'Draft DNA Profiling Bill' by the Centre for DNA Fingerprinting and Diagnostics. Since then, there has been a 2012, 2015, and a 2016 version of the Bill - the last not available to the public.

In 2013, the Department of Biotechnology formulated an Expert Committee to deliberate on concerns raised about the Bill and finalise the text. The "Use and Regulation of DNA Based Technology Bill 2017" and the report by the Law Commission is a further evolution of the legislation and dialogue. The 2017 Bill contains a number of improvements from previous versions yet there are still outstanding concerns that remain.

Positive changes in the Bill include provisions for consent, defined instances for deletion of profiles, limitation on purpose of the use of data in the DNA Data Bank, defined instances for destruction of biological samples, and the ability for an individual to request a re-test of bodily substances if they believe contamination has occurred. Despite these changes the Bill still has an overly

and publicly debated. DNA is not foolproof - false matches can take place for multiple reasons. Importantly, the usefulness of DNA based technology to a legal system and the impact on individual rights is dependent and reflective of the social, legal, and political environment the technology is used in. DNA based technology can be a powerful tool for law enforcement, and it is important that a robust process and structure is given to the collection of DNA samples from a crime scene to the laboratory for analysis, to the DNA Bank for storage and comparison, but this structure needs to also be fully

broad schedule defining instances of when DNA profiling can be used and is missing a number of safeguards that would enable individual rights. These include a right to notification of storage and access to information on the DNA databank, the right to appeal and challenge storage of DNA samples, and right to access and review personal information stored on the DNA Data Bank. It is concerning that the 2017 Bill has left the defining of privacy and security safeguards to regulation — including implementation and sufficiency of protection, appropriate use and dissemination of DNA information, accuracy, security and confidentiality of DNA information, timely removal and deletion of obsolete or inaccurate DNA information, and other steps as necessary. Furthermore, though the Law Commission cites the use of the 13 CODIS (Combined DNA Index System) profiling standard as a means to protecting privacy in its report — this standard has yet to find its way in the text of the Bill.

The implications of creating regional and national level DNA databanks need to be fully understood and the potential for misuse of the technology. As society continues to rapidly become more and more data centric, and that data increasingly is a direct extension of the person, it is critical that legislation that is developed has clear protections of rights. In addition to amendments to the text of the draft 2017 Bill, this includes enacting a comprehensive privacy legislation in the country. It is worrying that in the conclusion of its report, the Law Commission has referred to whether privacy is an integral part of Article 21 of the Constitution as merely "a matter of academic debate."

Resilient 10 man India U17 hold Chile in Mexico

NEWDELHI: The India U-17 football team produced a spirited display to hold fancied Chile to a 1-1 draw in the final match of its Torneo de 4 Naciones Tournament tour in Mexico City. Chile, who finished runners-up to Brazil in their South American U-17 Championships to qualify for the World Cup, scored in the 40th minute after India's defence failed to clear the ball. India's Nongdamba Naorem found the equaliser in the final 10 minutes of the game. Two minutes later, the Blue Tigers were reduced to 10 men after Aniket was given a marching order on Monday.

STG LIFECARE LIMITED [CIN: L74899DL1992PLC048460] Regd. Office: 108, Himalaya Palace, 65, Vijay Block, Laxmi Nagar, New Delhi-110092	
NOTICE	
Notice is hereby given that pursuant to Regulation 29 (1) (a) read with Regulation 47 (1) (a) of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, the meeting of the Board of Directors of the Company will be held on Monday, the 14th August, 2017 at 11:30 AM at India Habitat Centre, Lodi Road, New Delhi-110003, inter-alia, to consider, approve and take on record the unaudited financial results for the quarter ended 30th June, 2017.	
For STG Lifecare Ltd.	Sd/-
Date: 04th August, 2017	Yogesh Vaidya
Place: Delhi	Chairman

HILLRIDGE INVESTMENTS LIMITED					
Regd. Off : 203, Aman Chamber, Pusa Road, Rajendra Place Metro Station, New Delhi-110060 CIN: L65993DL1980PLC010757; Email Id: hillridgeinvestments@gmail.com Website: www.hillridgeinvestments.in, Ph: 011-25755281					
Extract of Unaudited Financial Results for Quarter Ended on 30th June, 2017 [In terms of Regulation 47(1) (b) of the SEBI (LODR) Regulations, 2015]					(Amount in Rs.)
Sl. No.	Particulars	Quarter Ended			
		Current 3 Months Quarter ended (01.04.2017 to 30.06.2017) (₹)	Previous 3 Months Quarter ended (01.01.2017 to 31.03.2017) (₹)	Corresponding 3 months Quarter ended in the previous year (01.04.2016 to 30.06.2016) (₹)	Previous accounting year ended (01.04.2016 to 31.03.2017) (₹)
		(Unaudited)	(Audited)	(Unaudited)	(Audited)
1	Total Income from Operations	1,050,000.00	1,265,568.00	1,432,500.00	5,563,068.00
2	Net Profit / (Loss) for the period (before tax, Exceptional and/or Extraordinary Items)	353,562.83	(2,765,531.50)	638,114.68	50,202.45
3	Net Profit / (Loss) for the period before tax (after Exceptional and/or Extraordinary Items)	353,562.83	(2,765,531.50)	638,114.68	51,760.45
4	Net Profit / (Loss) for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary Items)	353,562.83	(2,790,550.50)	638,114.68	26,741.45
5	Total Comprehensive Income for the period (Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax))	353,562.83	(2,790,550.50)	638,114.68	26,741.45
6	Paid Up Equity Share Capital (Face Value of ₹100) each	85,000,000.00	85,000,000.00	85,000,000.00	85,000,000.00
7	Reserves (excluding Revaluation Reserve) as shown in the Audited Balance Sheet of the previous year	N.A.	N.A.	N.A.	160,953,486.85
8	Earnings Per Share (of ₹10/- each) (for continuing and discontinued operations)				
1. Basic:		0.04	(0.33)	0.08	0.00
2. Diluted:		0.04	(0.33)	0.08	0.00
Note: The above is an extract of the format of Unaudited Financial Results filed with the stock exchanges under the Regulation 33 of the SEBI (Listing obligations and Disclosure Requirements) Regulations 2015. The full formats of Unaudited Financial results are available on the stock exchange website i.e. www.nse.in and on the Company's website www.hillridgeinvestments.in.					
For Hillridge Investments Limited (Managing Director) BIN-06798853					
Date: 08.08.2017 Place: New Delhi					